प्रश्न- **हिंद महासागर के क्षेत्र की महत्ता पर टिप्पणी करें। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि हिंद महासागर में अमेरिका की सक्रिय भूमिका भारत के भौगोलिक हितो के अनुकूल है? परीक्षण कीजिए।**

(200 शब्द)

Comment on the importance of Indian Ocean region. Do you agree that the active role of the US in the Indian Ocean is favourable to India's geographical interests. Examine.

(200 Words)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:

- भूमिका में हिंद महासागर के क्षेत्र की महत्ता बतायें।
- पैरा चेंज करते हुए बतायें कि हिन्द महासागर में अमेरिका की सक्रिय भूमिका भारत के भौगोलिक हितों के अनुकूल है। इसमें पक्ष व विपक्ष दोनों पहलुओं को शामिल करें।
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

- हिंद महासागर क्षेत्र में मिस्र की स्वेज नहर ईरान व ओमान की हॉर्मुज तथा इंडोनेशिया-मलेशिया का मलक्का जल संधि जैसे आर्थिक और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण जलीय क्षेत्र है।

हिंद महासागर क्षेत्र के बढ़ते महत्व का कारण

- विश्व के तेल एवं गैस रिजर्व का 40 प्रतिशत हिस्सा इसी महासागर में स्थित है।
- यह महासागर प्रशांत और अटलांटिक महासागर तक आसान पहुँच को सुनिश्चित करता है।
- विश्व के कुल तेल व्यापार का लगभग 80 प्रतिशत व्यापार हिंद महासागर के समुद्री मार्गों द्वारा किया जाता है।
- सामरिक महत्व होने के कारण विश्व की सभी प्रमुख शक्तियों की सैन्य उपस्थिति यहाँ पर है। हिंद महासागर में अमेरिका ने इस महासागर के एक द्वीप डियागो गार्सिया में अपना नेवल बेस बना रखा है।

भारतीय प्रायद्वीप की भौगोलिक अवस्थिति इस क्षेत्र में भारत को एक महत्वपूर्ण पक्ष बनाती है। भारत का प्रायद्वीप तीन दिशाओं से हिंद महासागर के जलीय क्षेत्र से घिरा है। अमेरिका की सक्रिय भूमिका भारत के भौगोलिक हितों के अनुकूल है, क्योंकि

- दक्षिणी चीन सागर में चीन की बढ़ती ताकत को काउंटर करने में अमेरिका भारत के लिए एक अहम साझेदार हो सकता है।
- भारत में समुद्र के रास्ते आतंकवाद के बढ़ते खतरे के रूप में अमेरिका की उपस्थिति एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।
- समुद्री लूटपाट व डकैती को नियंत्रण किया जा सकता है।

चीन और अमेरिका की टकराहट भारत के लिए नुकसानदायक हो सकती है। फिर इससे समुद्री प्रदूषण भी बढ़ेगा ज्यादा देशों की सक्रीयता से वह भी भारत के लिए घातक है। अमेरिका परंपरागत रूप से भारत के लिए लगातार सहयोगी नहीं है, इसलिए भारत को अधिक सावधान रहने की जरूरत है।

निष्कर्ष-भारत को एक सन्तुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए जिसमें हिन्दमहासागर के देशों को संगठित कर उन्हें सशक्त करें।